हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58
Fax: +91-11-26135518 / 19
E-mail: mails@epch.com
Web : www.epch.in

KHILONA
India Toys & Games Fair
INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA EXPRESSWAY, DELHI NCR

प्रेस विज्ञप्ति - पहला दिन

खिलौना-इंडिया टॉयज एंज गेम्स फेयर 2023-द्वितीय संस्करण
18-20 अगस्त 2023; इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा

इंडिया एक्सपो सेंटर में तीन दिवसीय शो 'खिलौना' का उद्घाटन

व्यावसायिक संभावनाओं का पता लगाने हेतु भारतीय खिलौने और खेल निर्माताओं के सभी वर्गों के हुए एकत्रित स्टार्ट-अप, एमएसएमई उद्यमों और क्षेत्रीय खिलौना शिल्प निर्माताओं सहित 150 से अधिक प्रदर्शकों ने 12 प्रदर्शन सेगमेंट में में उत्पाद पेश किए

ग्रेटर नोएडा - 18 अगस्त 2023 – इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे में 18 से 20 अगस्त 2023 तक आयोजित होने वाले खिलौना-इंडिया टॉयज एंड गेम्स फेयर के दूसरे संस्करण का उद्घाटन आज हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद की उपस्थिति में किया गया। इस आवसर पर ईपीसीच के वाइस चेयरमैन (II) डॉ. नीरज खन्ना; श्री राज कुमार मल्होत्रा, पूर्व अध्यक्ष-ईपीसीएच; श्री दिनेश कुमार; श्री रविंदर कुमार पासी; श्री सागर मेहता, श्री गिरीश कुमार अग्रवाल; श्री हंसराज बाहेती; श्री कमल सोनी; श्री सलमान आज़म; श्री के. एल. रमेश, श्री ओम प्रकाश प्रह्लादका; श्री राजेश जैन; श्री प्रदीप मुछाला; श्री अरशद मीर, श्री लेखराज माहेश्वरी, श्री सिमरनदीप सिंह कोहली; श्री नावेद उर रहमान; श्री सी. पी. शर्मा सदस्य-प्रशासन समिति-ईपीसीएच आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार; ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा; ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्यों की भी उपस्थिति रही। इसका आयोजन हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और कपड़ा मंत्रालय, के अनुमोदन और सक्रिय सहयोग से किया जाता है।

इस अवसर पर आयोजकों को दिए अपने संदेश में, भारत सरकार के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, श्री पीयूष गोयल ने कहा, "इस उद्योग का विकास माननीय प्रधान मंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' और दुनिया के लिए 'मेक इन इंडिया' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह मेला हमारे खिलौना निर्माताओं, जिनमें मुख्य रूप से एमएसएमई और कुशल कारीगर शामिल हैं, को अपेक्षित बाजार लिंकेज स्थापित करके अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ अपने जुड़ाव का विस्तार करने का एक विशेष अवसर प्रदान करेगा।' इस आयोजन में आशावाद को प्रतिध्वनित करते हुए, माननीय केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने अपने संदेश में कहा, "भारत के खिलौने और खेल उद्योग में देश को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और दुनिया के लिए निर्माता बनने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की क्षमता है। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि इस

उद्योग के हितधारकों को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और तीन दिवसीय मेले में दुनिया भर के खरीदारों के साथ जुड़ने के लिए एक उपयुक्त मंच मिल रहा है।"

मेले की संरचना के बारे में बोलते हुए, ईपीसीएच के अध्यक्ष, श्री दिलीप बैद ने बताया, “उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शकों के साथ, खिलौना आयोजन खिलौनों और खेलों में नवीनतम रुझानों, डिजाइनों और प्रगति की खोज के लिए एक महत्वपूर्ण प्रमुख मंच है। आगंतुक पारंपरिक खिलौनों और खेलों के साथ-साथ कलेक्टेबल,नवाचारों और उच्च गुणवत्ता वाले निर्मित खिलौनों में भारत की ताकत देख सकते हैं। ऐसे कई लोग हैं जो स्टेम खिलौनों की पेशकश कर रहे हैं, जो आकर्षक उत्पाद श्रृंखलाओं के साथ बढ़ती बाजार मांग के अनुरूप हैं। ऐसे उत्पाद स्वयं ही अपना परिचय देते हैं। इस आयोजन में खिलौनों के साथ बच्चों के रहने की जगह के लिए सजावट, थीम और सहायक उपकरण का भी एक अन्य खंड है, जहां निर्माता एर्गोनोमिक आवश्यकताओं के अनुरूप फर्नीचर, मूड को बेहतर बनाने के लिए सजावट, थीम आधारित फर्निशिंग और सहायक उपकरण, टेबल टॉप और दीवार सजावट, स्टेशनरी उत्पाद,अवकाश वर्गीकरण,में निर्यात संभावनाएं तलाश रहे हैं।"

ईपीसीएच के वाइस चेयरमैन (द्वितीय) डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, “मेले में 10 से अधिक स्टार्ट-अप प्रदर्शक भी हैं, जो फन एंड लर्निंग, इंडोर और आउटडोर खेल की भरपूर पेशकश कर रहे हैं। वे बच्चों के कमरे के फर्नीचर, शिशु और छोटे बच्चों के उत्पाद, गेमिंग, फ़िजिटल (फिजकल+डिजिटल) लाइनों, मनोरंजक और शैक्षिक खिलौनों में व्यावसायिक अवसरों के लिए संबंध बनाने के लिए तत्पर हैं।"

आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने साझा किया, “खिलौना क्षेत्र डिजाइन और नवाचार के मामले में बहुत पुराने और फिर भी सबसे गतिशील क्षेत्रों में से एक है। इस शो के माध्यम से, खरीदारों और विक्रेताओं के बीच सीधे व्यापार से लाभ उठाने के अलावा, खिलौना निर्माता पारंपरिक कौशल और सामग्रियों को आधुनिक डिजाइन समझ और विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के साथ संयोजित करने के रोमांचक तरीके तलाश सकते हैं।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक, श्री आर.के.वर्मा ने आगे विस्तार देते हुए कहा, "खिलौना - इंडिया टॉयज एंड गेम्स मेला प्रदर्शकों के बीच भारत के खिलौना शिल्प गांवों, कस्बों और समूहों के दूरदराज के कोनों से कई कारीगरों के साथ हमारी समृद्ध विरासत और अद्वितीय शिल्प कौशल का जीवंत प्रतिनिधित्व पेश करता है। सरकार के गुरु शिष्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ईपीसीएच की विशिष्ट टीमों द्वारा अधिक डिजाइन और विविधता, बेहतर गुणवत्ता, विपणन क्षमता और व्यावसायिक व्यवहार्यता बनाने की दिशा में उनके मौजूदा और मूल कौशल को और निखारा गया है। इस आयोजन में आगंतुकों को चन्नापटना लैकरवेयर खिलौने, वाराणसी लकड़ी के खिलौने, अशरिकांडी टेराकोटा खिलौने, जयपुर कठपुतली, किन्हाल लकड़ी के खिलौने, इंदौर चमड़े के खिलौने और कडप्पा राजा रानी लकड़ी की गुड़िया का संग्रह दिखाई देगा।

भारतीय खिलौना उद्योग वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। वर्ष 2028 तक इसका बाजार 3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह बाजार 2022-28 की अवधि में 12% की सीएजीआर से बढ़ रहा है। घरेलू बाज़ार का आकार वर्तमान में अनुमानित मूल्य 1.5 बिलियन डॉलर है। भारत का खिलौना निर्यात 2018-19 में 203.42 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 325.72 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच;
+91-9810679868

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58 E-mail: mails@epch.com
Fax: +91-11-26135518 / 19 Web : www.epch.in

KHILONA
India Toys & Games Fair
INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA EXPRESSWAY, DELHI NCR

PRESS RELEASE – DAY 1

2nd Khilona-India Toys & Games Fair 2023

18th -20th August 2023; India Expo Centre, Greater Noida

Khilona opens for three days show at India Expo Centre, congregates all segments of India's toys & games manufacturers to explore business prospects

150+ EXHIBITORS INCLUDING START-UPS, MSME ENTERPRISES AND REGIONAL TOY CRAFT MAKERS OFFER PRODUCTS IN 12 DISPLAY SEGMENTS

Greater Noida – 18th August 2023 – The 2nd edition of Khilona-India Toys & Games Fair being held from 18th to 20th August 2023 at India Expo Centre & Mart, Greater Noida Expressway was inaugurated by Mr. Dileep Baid, Chairman, EPCH in the presence of Dr. Neeraj Khanna, Vice Chairman II, EPCH; Mr. Raj Kumar Malhotra, Imme. Past Chairman-EPCH; Mr. Dinesh kumar; Mr. Ravinder Kumar Passi; Mr. Sagar Mehta, Mr. Girish Kumar Agarwal; Mr. Hansraj Baheti; Mr. Kamal Soni; Mr. Salman Azam; Mr. K. L. Ramesh, Mr. Om Prakash Prahladka; Mr. Rajesh Jain; Mr. Pradip Muchhala; Mr. Arshad Mir, Mr. Lekhraj Maheshwari, Mr. Simrandeep Singh Kohli; Mr. Naved Ur Rehman; Mr. C. P. Sharma Member(s)-Committee of Administration-EPCH; Dr. Rakesh Kumar, Chairman, IEML; Mr. R K Verma, Executive Director, EPCH; and Committee of Administration Members, EPCH. It is organised by the Export Promotion Council for Handicrafts with approval and active support from Ministry of MSME, Ministry of Commerce & Industry and Ministry of Textiles, Govt. of India.

In a message to the organisers, Shri Piyush Goyal, Union Minister of Commerce & Industry, Consumer Affairs, Food & Public Distribution and Textiles, Govt. of India, said, "The development of this industry is in line with Hon'ble Prime Minister's vision of 'Vocal for Local' and 'Make in India' for the world. This fair will provide an exclusive opportunity to our toy manufacturers which primarily include MSMEs and skilled artisans to expand their engagement with international markets by establishing requisite market linkages" Echoing the optimism, Smt. Darshana Jardosh, Hon'ble Union Minister of State for Textiles, in her message added, "India's toys & games industry has the potential of realising the Prime Minister's vision of making the nation self-reliant in this sector and becoming manufacturers for the world. I am happy to learn that stakeholders from this industry are getting an apt platform to showcase their capabilities and engage with buyers from all over the world in the three day fair."

Speaking about the fair's composition, Mr. Dileep Baid, Chairman, EPCH, informed, "with exhibitors from various segments of the industry, Khilona is an important major platform for exploring the latest trends, designs, and advancements in toys and games. Visitors can see India's strengths in innovations and high precession manufactured toys alongside traditional toys & games as well as collectibles. There are many

offering STEM toys, responding to the growing market demand with engaging product lines that speak for themselves. Décor, themes and accessories for children's living spaces is another segment, where manufacturers are exploring export potential in furniture to suit ergonomic needs, decor to enliven the mood, theme based furnishing & accessories, table top and wall décor, stationery products, holiday assortments, etc."

Dr. Neeraj Khanna, Vice Chairman II, EPCH, added, "over 10 exhibitors are among start-ups at the fair, offering plenty in fun & learning, indoor and outdoor play. They look forward to make connections for business opportunities in children's room furniture, baby & toddler products, gaming, phygital (physical + digital) lines, recreational as well as educational toys."

Dr. Rakesh Kumar, Chairman, IEML shared "The Toy sector is one of the very old and yet the most dynamic sectors in terms of design and innovation. Through this show, besides benefiting from direct business between buyers and sellers, toy makers can explore exciting ways to combine traditional skills and materials with modern design sense and manufacturing technologies."

Mr. R K Verma, Executive Director, EPCH, further informed, "Khilona-India Toys & Games Fair features a vibrant representation of our rich heritage and unparalled craft skills with several artisans from the remotest corners of India's toy craft villages, towns and clusters, among exhibitors at the fair. Their existing and original skills have been further honed towards creating more designs & variety, improved quality, marketability and commercial viability, by specific teams of EPCH, through the govt.'s Guru Shishya Hastshilp Prashikshan programs. Visitors will see collections in Channapatna lacquerware toys, Varanasi wooden toys, Asharikandi terracotta toys, Jaipur kathputli, Kinhal wooden toys, Indore leather toys and Cuddapah Raja Rani wooden dolls."

The Indian toy industry is among the fastest-growing globally, projected to reach $ 3 billion by 2028, growing at a CAGR of 12% between 2022-28. Domestic market size currently stands at an estimated value of $ 1.5 billion. India's Toy Exports witnessed an increase from US$ 203.42 million in 2018-19 to US$ 325.72 million in 2022-23.

For more information, please contact:
MR. R K VERMA, EXECUTIVE DIRECTOR
EPCH; - +91-9810679868

Encl: Hindi, English with Photos

PHOTO – I SHRI DILEEP BAID, CHAIRMAN-EPCH, DR. RAKESH KUMAR, CHAIRMAN-IEML, DR. NEERAJ KHANNA, VICE-CHAIRMAN-II - EPCH, SHRI RAJ KUMAR MALHOTRA, IMME. PAST CHAIRMAN-EPCH LIGHTING LAMP DURING INAUGRATION OF KHILONA’23 – INDIA TOYS & GAMES FAIR’23 ALONGWITH MEMBERS OF COMMITTEE OF ADMINISTRATION-EPCH

PHOTO 2: HAMLEYS DELEGATION VISITED DURING KHILONA’23 – INDIA TOYS & GAMES FAIR’23 HELD AT INDIA EXPO CENTRE, GREATER NOIDA

PHOTO 3: OVERSEAS BUYERS BUSINESS DELEGATION FROM CIS COUNTRIES - TAJIKISTAN & UZBEKISTAN VISITED DURING KHILONA'23 – INDIA TOYS & GAMES FAIR'23 HELD AT INDIA EXPO CENTRE, GREATER NOIDA

PHOTO 4: OVERSEAS BUYERS TRANSACTING BUSINESS DURING INAUGRATION OF KHILONA'23 – INDIA TOYS & GAMES FAIR'23 STARTED TODAY AT INDIA EXPO CENTRE, GREATER NOIDA